विषय : नारियों - नौकरी क्षेत्रों में

नारी परिवर्तन - देश की प्रगति

हमारा देश तेज़ी से बदल रही है। कला, खेल-कूद, विज्ञान, तकनीक आदि क्षेत्रों में ये बदलाव हम ज़रूर दिख सकते हैं। हम सब ये बात भी मानता है कि ये प्रगति पुरुष और महिला, दोनों की मेहनत से बन चुका है। इस अवसर पर हमें नारियों का सम्मान ज़रूर करना चाहिए। देश की प्रगति अक्सर उनकी भी विकास थी। आज वो हर क्षेत्र में अपनी पहचान देती है। एक आम व्यक्ति को ये अजीब लगेगा। सालों पहले एक पुरुष प्रधान समाज से आज तक। हमें कभी सोचना है कि ये यात्रा कितनी मुश्किल थी!

कई साल पहले समाज नारियों को सिर्फ रसोईघर की बेटी माना। परिवार के लिए खाना बनाना, दूसरे लोगों का देखभाल करना, घर की सीमाओं से बाहर न निकलना - यही उनका कर्तव्य था। आज सोचे तो ये विचार बिल्कुल गलत लगेगा। लेकिन उनकी स्थिति जानने से भी बुरा थी। चाहें वो रानी हो या नौकर हो, एक महिला होने के कारण समाज उन्हें

नज़र अंदाज़ कर दिया। लेकिन इस पर्यावरण से बाहर आकर जीने के लिए उन्होंने कठिन मेहनत की। अपनी मुँह खोलके अपनी राय बनाने की कोशिश की। इस तरह की मेहनत के कारण उन्होंने अपनी बेकार ज़िंदगी से बाहर आया। दुनिया को समझा और सिर्फ पचास सालों से ही अपने - आप को दिखाया। दुनियाभर में नई - नई ~~खोज~~ विचारों प्रकट कर दिया। समाज से उन्होंने कहा कि हम रसोईघर की बेटी नहीं बल्कि दुनिया की बेटी हैं।

नारियों की इस विकास संभव होने के पीछे अनेक नारियों की विश्वास है, प्रतीक्षा हैं। उन्में से एक थी जानसी रानी यानी रानी लक्ष्मी बाय। उन्होंने इस बात का सबूत दिया कि एक नारी आत्मनिर्भर और धीर रहेगी। फिर जानसी रानी के पीछे अनेक नारियाँ आगे आया। वो सब अपनी शारीरिक - मानसिक क्षमता, प्रतिभा और विचारों को दिखाया।

हर साल हम इसी प्रगति को याद करते हैं और मानते हैं 'नारी दिवस' के रूप में। ये सब याद दिलाना और राह दिखाना नहीं हैं, बल्कि

एक दुविचार जैसा है। आज भी ~~जो~~ नारी समाज में क्या - क्या समस्याएँ झेलती है - उन सबके लिए। इन ~~समस्या~~ प्रश्नों में से कुछ है - दहेज की फैलना, घरेलू हिंसा, लैंगिक शोषण आदि। कानून और योजनाएँ इन सब प्रश्नों को सुधारने की कोशिश की। कुछ उदाहरण है - 'दहेज निषेध अधिनियम' 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' आदि। इन सब प्रतिविधियों के साथ नारी अपने आप से एक समाधान ढूँढा - नौकरी। ~~ए~~ एक अध्ययन करने वाली ~~युवति~~ युवती यानी नौकरी करनेवाली युवती समाज में हर समय एक विशिष्ट भूमिका निभाती हैं। अपनी ~~अवकाशों~~ अवश्यकता के लिए लड़ने के लिए, उन्हें नौकरी ज़रूर एक उपाय लगा।

इस दृष्टि से शुरु हुआ नारी परिवर्तन। हर क्षेत्र में आकर कुछ करने के लिए हर नारी आगे बढ़ा। इस प्रगति केवल कुछ सालों से नहीं कई सालों के मेहनत से ही ~~का~~ पाया। ~~ब~~ इस तरह आगे बढ़नेवाली नारी कभी खतरे में नहीं आया। वह देश की शान उड़ाया और नई चरित्र लिखा।

• नारी विज्ञान की क्षेत्रों में :

अब बहुत अलग - अलग सुविधाओं के साथ ~~अब~~ आगे बढ़नेवाली क्षेत्र है 'विज्ञान'। तकनीकी आया तो ज़िंदगी ही बदल गया। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम युग आदि का प्रभाव हम देख सकते हैं। और ज़रूर नारियों की प्रभाव भी कुछ खास है। जब कल्पना चौला भारत से अंतरीक्ष जानेवाली पहली औरत बन गई तब शुरु हुआ ये विकास। कुछ महीने पहले ही हमने देखा था सुनिता विल्लियम्स की खबर। वो अब तीन बार अंतरीक्ष पहुँचा। इन दोनों भारतीय ~~महिलाओं~~ नारियों के अलावा अनेक औरत भी हैं। जैसे वेलन्डीना तेरश्कोवा पेगगी वित्सण आदि।

• कला की क्षेत्रों में :

जैसे हम विज्ञान के बारे में बताया हमें कला के बारे में भी उतनी बतानी चाहिए। आजकल ~~व~~ वाइटकोलर नौकरियों के अलावा अपनी अनोखी रचनात्मकता दिखाने के लिए नारी नाचना गाना लिखना आदि क्षेत्रों में भी मशहूर हैं। केरल में ही अनेक लेखिकाएँ हम देख सकती हैं।

उनमें से कुछ हैं - ललिताम्बिका अंतरजनम सुगतकुमारी बालामनियम्मा शहिना इ.के साश जोसफ आदि। इन सभी ने अपनी कलम के साथ नौकरी के साथ ज़िंदगी में बदलाव लाथी। ~~के~~ नाच जैसी कला देखी तो जानकी सुब्रमन्यम (भरतनाट्यम) मन्जू वारियर (सिनेमा) आदि अनेक नारी को देख सकते हैं। गाना के क्षेत्र में श्रेया घोशाल विश्व प्रसिद्ध हैं।

- खेलों की क्षेत्रों में :

खेल-कूद में पुरुष का दिखावा हम सालों से सुनती हैं। लेकिन अब सब अवसर बदल गए। नारी भी खेलों में ~~सभी~~ शामिल हो गए हैं। इनमें से कुछ उदाहरण देखे तो - दिव्या देशमुख, एक ~~छोटी सी~~ अनोखी प्रतिभा हैं। वो पिछले साल की विमनस वेल्ड कप (चेस्स) जीत ली थीं। और कई पुरुष प्रतियोगिताओं के बीच प्रतिभा दिखाने का मौका भी नहीं छोड़ दिया। इस तरह पी.वी सिंधु (बेडमिंडण) स्मृति मंदाना (क्रिकट), मीरा बाय चानु (वेटलिफ्टिंग) आदि क्षेत्रों में शामिल हैं।

• ~~प्रकृ~~ प्रकृति की संरक्षण क्षेत्र में :

आज हमारी प्रकृति के लिए हाथ उठाने के लिए एक लड़की भी आगे आया है। हम सब खबरों में सुनी होगी, उनकी नाम 'ग्रेटा थनबर्ग'। अपनी राय से, बातों की ~~आ~~ शक्ति से वह समाज से बाहर आकर सामाजिक समस्या के लिए हाथ उठाया। अपनी आस-पास की प्रकृति को सुरक्षित रखने में वह एक नारीशक्ति बन गया।

इस तरह नारियों की भूमिका बढ़ते-बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने अब दुनिया की हर चीज़ पर, हर नौकरी पर, हर समस्या पर अपना हाथ रख दिया है।

नारियों की विकास के लिए योजनाएँ के साथ-साथ हमारी सिनेमा क्षेत्र ~~में~~ से भी कई विचारों आ चुकी हैं। इनमें से मुख्य है मंजु वारियर की 'हौ आल्ड आर यु', 'उदाहरणम सुजाता' आदि। इन दोनों में उन्होंने नारी शक्ति के लिए विचार उठने के लिए कहा। एक ~~इ~~में वो अपनी राय से और विचार से दुनिया को

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തിയ്യതി..... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

अपनी प्रतिभा दिखाया। दूसरी सिनेमा में वह रसोईघर से बाहर एक दुनिया है और उस दुनिया में अब हमें भी हिस्सा लेना है, जैसी संदेश दे दी।

आखिर में कहा सकती हैं कि हर नारी इस समाज में आगे बढ़ती हैं। और एक खास बात ये भी हैं की विकास केवल राष्ट्रीय यानी दूसरी देशों में नहीं। हम नौकरी में आगे बढ़ने वाले को हमारी आस-पास ही देख सकते हैं। इस तरह की ग्रामीण नौकरी क्षेत्रों की विकास को हम जरूर पहचानना चाहिए।

उनमें से एक अच्छी उदाहरण हैं नारियों के लिए सविशेष महत्व देते हुए चलनेवाली केरल की 'कुडुम्बश्री कार्यक्रम'। हर नारी को नौकरी देने की लक्ष्य में ये योजना अब ~~राजनीति को ही~~ बड़ी ताकत से आगे चलते हैं। और गाँव जैसी ~~जगह~~ जगह में कुछ और खास नारी की सृष्टि संभव होती हैं।

इनके साथ बच्चों में भी लड़कियों को खास महत्व दे कर कलोलसव, खेल-कूद

आदि सरकार के साथ-साथ चलते हैं।

लड़की चाहे डॉक्टर बनते हैं या इंजनीर सदा समय अके साथ उनके विकास के लिए समाज भी चलते हैं। ये तो एक सपना जैसे ~~लगता~~ सुंदर और अनोखी लगता है। कथा हम कभी सोचा हैं कि एक पुरुष प्रधान ~~समाज~~ समाज, जहाँ नारी एक खिलौना जैसा लगा, इस तरह बदलेगा? लेकिन ये भी संभव हुआ हैं।

अब इन सब प्रगति के साथ अब और परेशानी देनेवाली हर नारी संबंधित विषयों पर हमें ध्यान देना चाहिए। हमें ये पहचान साथ रखना है कि नारी की प्रगति समाज की धानी देश की विकास हैं।

आजकल नारी की कपड़ों से उनकी क्षमता तक बुरी बातें कहने वाले लोग ज्यादा बढ़ता हैं। और अनकी विचार हमारी राजनीति के सामने सिर्फ गलत हैं। और बहुत ही कमज़ोर भी हैं। जो राह नारी ने चुना, वो बिल्कुल ठीक हैं।

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തിയ്യതി..... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

Item Code: 645 Participant Code: 040

नौकरी में और भी आगे बढ़ने नई बदलाव लाने की शक्ति नारी पर है। उन्हें सिर्फ अपनी प्रतिभा पर विश्वास रखनी चाहिए। हर चीज़ तो आगे उनकी मेहनत के साथ बढ़ेगा। नारियों को शायद दस और सालों बाद पुरुष प्रधान समाज की सारी समस्याएँ का हल ढूँढकर & समाज को एक और परिवर्तन देना मुश्किल नहीं होंगे!

नारी : देश की प्रगति
देश की वरदान

सृष्टी और
बदलाव :
दोनों नारी के
साथ-साथ

रसोईघर की बेटी नहीं
नारी
दुनिया की बेटी है

नारी परिवर्तन
सपना से सच तक

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).